B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III

BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

P. Pages : 3 **GUG/W/16/3084**

Time : Three Hours * 4 0 6 1 * Max. Marks : 60

Notes : 1. All questions are compulsory and carry equal marks.
2. Draw diagrams wherever necessary.

1. a) Give the scope & importance of surface ornamentation. **12**

OR

b) Explain the importance of creating design on fabric & give its methods.

2. a) Give the history of embroidery in detail. **12**

OR

b) Give the classification of embroidery stitches.

3. a) Give the stitches used in chikankari. **12**

OR

b) Write about stitches colours & motifs used in phulkari of Punjab.

4. a) Write about Manipuri embroidery & it's specifications. **12**

OR

b) Write about kantha of Bengal in detail.

5. Write in short about **any four.** **12**

a) Types of surface ornamentation.
b) Chamba rumal
c) Kasuti embroidery
d) Gujarati embroidery
e) Chikankari techniques.

****

munotes.in

B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III

BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

Time : Three Hours | Max. Marks : 60

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य असून समान गुणांचे आहेत.
2. आवश्यक तेथे आकृत्या काढाव्यात.

1. अ) पृष्ठीय परिसज्जेचे महत्व आणि व्याप्ती स्पष्ट करा. **12**

किंवा

ब) वस्त्रावर डिझाईन बनविण्याचे महत्व स्पष्ट करून त्याच्या पध्दती लिहा.

2. अ) भरतकलेचा इतिहास सविस्तर लिहा. **12**

किंवा

ब) भरतकलेतील टाक्यांचे वर्गीकरण लिहा.

3. अ) चिकनकारी मध्ये वापरल्या जाणाऱ्या टाक्यांबाबत लिहा. **12**

किंवा

ब) पंजाबी फुलकारीमध्ये वापरल्या जाणारे टाके, रंग आणि मोटीफ याबाबत लिहा.

4. अ) मणीपुरी भरतकला आणि त्याची वैशिष्ट्ये लिहा. **12**

किंवा

ब) बंगालच्या कांथाबद्दल सविस्तर लिहा.

5. थोडक्यात लिहा **कोणतेही चार.** **12**

अ) पृष्ठीय परिसज्जेचे प्रकार
ब) चंबा रुमाल
क) कसूती भरतकला
ड) गुजराती भरतकला
इ) चिकनकारी तंत्र

****

munotes.in

B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III

BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

Time : Three Hours | Max. Marks : 60

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा सभी के समान अंक है।
2. आवश्यकता के अनुसार आकृती निकालिए.

1. अ) पृष्ठीय सज्जा का महत्व और व्याप्ती स्पष्ट किजीए। **12**

अथवा

ब) वस्त्रपर डिझाईन बनाने का महत्व स्पष्ट करके उसकी पध्दतीयों के बारे में लिखिए।

2. अ) कशिदाकारी का इतिहास विस्तार से लिखिए। **12**

अथवा

ब) कशिदाकारी के टाँको का वर्गीकरण किजीए।

3. अ) चिकनकारी में इस्तमाल होने वाले टाँके के बारे में लिखिए। **12**

अथवा

ब) पंजाबी फुलकारी में इस्तमाल होने वाले टाँके, रंग और मोटीफ के बारे में लिखिए।

4. अ) मणीपूरी कशिदाकारी और उसकी विशेषताएँ लिखिए। **12**

अथवा

ब) बंगाल के कांथा के बारे में विस्तारसे लिखिए।

5. संक्षेप में लिखिए **कोई चार.** **12**

अ) पृष्ठीय सज्जा के प्रकार
ब) चंबा रूमाल
क) कसूती कशिदाकारी
ड) गुजराती कशिदाकारी
इ) चिकनकारी तकनीक

****

munotes.in

munotes.in